बर्षः- 06
अंकः- 92
मुरादाबाद
(Wednesday)
22 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

NDA की बैठक में बोले पीएम मोदी- हम छात्रों के साथ हैं;नीट पेपर लीक पर सख्त सजा देने की कही बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की मंगल मिलन बैठक में कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के साथ खड़ी है और नीट जैसी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होना राष्ट्रीय चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए।संसद के मानसून सत्र के बीच मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक %मंगल मिलन% संसद पुस्तकालय भवन के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी प्रमुख दलों के सांसद और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक के दौरान संसद के मानसून सत्र की रणनीति, सरकार के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही एनडीए के सभी सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और सदन में एकजुट होकर सरकार का पक्ष रखने पर भी जोर दिया गया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद यह जानकारी दी। रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि नीट पुनर्परीक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए बिना किसी देरी के परिणाम घोषित किए गए। प्रधानमंत्री ने बैठक में यह भी बताया कि पेपर लीक की घटना सामने आते ही सरकार ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल लोगों को जेल भेजा गया है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त व्यवस्था की गई है। एफटीए पर किसानों के हितों का भरोसा- किरेन रिजिजू के अनुसार, प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का भी उल्लेख किया। उन्होंने सांसदों को भरोसा दिलाया कि किसी भी एफटीए में किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों का कल्याण है और हर व्यापार समझौता देश और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।सीजेपी के प्रदर्शन के बीच आया बयान-किरेन रिजिजू का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित नीट-यूजी 2026 पेपर लीक को लेकर सीजेपी का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। सोमवार को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। वहीं, संसद की ओर निकाले गए मार्च के दौरान प्रदर्शन हिंसक हो गया था।मंगल मिलन% बैठक रही बेहद उपयोगी किरेन रिजिजू ने कहा कि एनडीए संसदीय दल की बैठक काफी उपयोगी रही। प्रधानमंत्री ने सांसदों को कई महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया और पिछले कुछ महीनों में देश की उपलब्धियों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि बैठक में हाल ही में राज्यसभा पहुंचे नए सांसदों, जिनमें नितिन नवीन भी शामिल हैं, का स्वागत किया गया। वहीं, एनडीए की संसदीय दल की बैठक मंगल मिलन पर भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा, यह बहुत अच्छा मिलन था।

संक्षिप्त समाचार

शहीद दिवस मंच से ममता की हुंकारः INDIA गठबंधन से नाराजगी दूरकर एकजुट होने की अपील, CJP प्रदर्शन पर बड़ा एलान

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने शहीद दिवस रैली में कांग्रेस, सीपीआई(एम) समेत इंडिया गठबंधन के सभी दलों से मतभेद भुलाकर भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। वहीं, पार्टी के बागियों पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि गद्दारों की टीएमसी में कभी वापसी नहीं होगी।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में आयोजित शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी दलों को आपसी मतभेद भुलाकर भाजपा का मुकाबला करना चाहिए। ममता बनर्जी ने क्या कहा? इसके साथ ही अपनी पार्टी के भीतर बागी तत्वों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि गद्दारों को कभी वापस नहीं लिया जाएगा। यहां बिड़ला तारामंडल के पास टीएमसी के कालीघाट गुट द्वारा आयोजित वार्षिक 21 जुलाई शहीद दिवस रैली को संबोधित की। खिलाफ लड़ाई व्यक्तिगत या राजनीतिक अहंकार से कहीं बड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो मैं खुद सीजेपी के विरोध प्रदर्शन में जाएंगी। उन्हें शुरू से ही हमारा समर्थन प्राप्त था और आगे भी रहेगा। मतभेद भुलाकर एक साथ मिलकर लड़ें पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं चाहती हूं कि बंगाल में सभी लोग इंडिया अलायंस के झंडे तले एकजुट होकर भाजपा से लड़ें।

352 करोड़ की 70 परियोजनाओं का तोहफा देकर बोले मुख्यमंत्री बहराइच अब आकांक्षी नहीं, विकास की नई पहचान

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतंत्र की जननी अपने बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करती। उन्होंने विरोधस्वरूप अपना जन्मदिन नहीं मनाया, पेपर लीक मामले पर संसद में चर्चा की मांग की।इंडिया ब्लॉक के नेता मंगलवार सुबह नई दिल्ली स्थित संसद भवन में एक अहम रणनीति बैठक हुए। ताकि वे अपने संयुक्त दृष्टिकोण का समन्वय कर सकें। इसके साथ ही मानसून सत्र की कार्यवाही से पहले सदन में अपनी रणनीति को अंतिम रूप दे सकें।लोकसभा अध्यक्ष के साथ भी की मौजूदा सत्र के दौरान विपक्ष के समन्वय को तेज करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सपा, वामपंथी और शिवसेना जैसी सहयोगी पार्टियों के सदस्यों सहित इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेताओं

ने संसद भवन के अंदर लोकसभा अध्यक्ष के साथ एक औपचारिक बैठक की।पुलिस की कार्रवाई की निंदा राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई पर गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए घोषणा की। उन्होंने अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही न्याय की मांग कर रहे युवाओं के खिलाफ बल प्रयोग की निंदा की है।मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रशासनिक कार्रवाई पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, %कल देश ने लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले और सरकार की ओर से शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन को कुचलते हुए देखा। न्याय की मांग कर रहे छात्रों की आवाजों को जवाब देने के बजाय बल प्रयोग से दबा दिया गया। लोकतंत्र की जननी% अपने बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करती। इन दुखद परिस्थितियों में, मैंने आज अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं, समर्थकों, शुभचिंतकों और हर उस नागरिक का मैं तहे दिल से आभारी हूं जिन्होंने मुझे शुभकामनाएं भेजी हैं। आपका स्नेह मेरे लिए बहुत मायने रखता है और मैं आप सभी का दिल से धन्यवाद करता हूं। लेकिन आज जश्न मनाने का दिन नहीं है। आज जवाबदेही तय करने का दिन है। लोकतंत्र को बहाल करो।

छात्रों पर क्यों चलाईं लाठियां?ः राहुल समेत विपक्ष के नेता लोकसभा अध्यक्ष से मिले, कहा- सदन में हो चर्चा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट परीक्षा लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर संसद में चर्चा की मांग की है। विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात कर से इस मुद्दे पर समय देने का आग्रह किया है।लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि अपने भविष्य को लेकर जायज सवाल पूछने पर छात्रों को पीटा गया। उन्होंने संसद के मानसून सत्र में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई और नीट (ह्वश्वश्वज्ञ) परीक्षा पेपर लीक संकट पर विस्तृत चर्चा की मांग की है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि उन्होंने विपक्षी सांसदों के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात की। उन्होंने मांग की कि संसद में इस मुद्दे पर

चर्चा होनी चाहिए। इसके साथ ही विपक्षी गठबंधन %इंडिया% (INDIA) के नेताओं ने संसद भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक भी की, जिसमें इस मुद्दे पर अपनी रणनीति तय की गई।राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों को उनके भविष्य के बारे में सवाल उठाने पर पीटा गया। उन्होंने सवाल किया कि अगर संसद देश के युवाओं के भविष्य पर चर्चा नहीं कर सकती, तो यह किस काम के लिए है? उन्होंने साफ किया कि विपक्ष इस मुद्दे को दबने नहीं देगा। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि छात्रों की आवाज सड़क से लेकर संसद तक सुनी जाए।कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष ने मांग की है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सदन में अपनी विफलताओं पर स्पष्टीकरण दें। वेणुगोपाल ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने राहुल गांधी और अन्य विपक्षी सांसदों के साथ लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की। उन्होंने मांग की कि विपक्ष को नीट और सीबीएसई (ष्टक्चस्श्व) की गड़बड़ियों और शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर दिल्ली पुलिस की हिंसा का मुद्दा उठाने के लिए समय दिया जाए। खरगे ने नहीं मनाया जन्मदिन- वहीं, छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई से दुखी होकर राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया। उन्होंने शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को दबाने के लिए बल प्रयोग की निंदा की। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि देश ने सरकार की ओर से लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले और शांतिपूर्ण प्रदर्शन को कुचलते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि %लोकतंत्र की जननी% अपने बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करती है।यह विवाद नीट-यूजी 2026 पेपर लीक के आरोपों को लेकर सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन के बाद बढ़ा है। सीजेपी (ष्टछ्वक्क) के इस प्रदर्शन के दौरान संसद की ओर मार्च हिंसक हो गया था। इसके बाद पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगें रखी थीं। सून सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है और यह 13 अगस्त तक चलेगा।लोकसभा अध्यक्ष से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के युवाओं के साथ इस तरह का व्यवहार करना बिल्कुल गलत है। आज युवाओं के पास अवसर नहीं हैं और उनके लिए सारे दरवाजे बंद हो चुके हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के रूप में जो एक दरवाजा खुला था, उसे भी बर्बाद कर दिया गया है। यहां मौजूद छात्र न केवल शिक्षा व्यवस्था बल्कि अपने भविष्य को लेकर भी शिकायत कर रहे हैं।

352 करोड़ की 70 परियोजनाओं का तोहफा देकर बोले मुख्यमंत्री बहराइच अब आकांक्षी नहीं, विकास की नई पहचान

बहराइच में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला तथा महाराजा सुहेलदेव के सम्मान, सुशासन और कानून व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाया। कहा कि बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों की जगह जेल या जहन्नुम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को महसी विधानसभा क्षेत्र के तेजवापुर स्थित बेड़नापुर रामलीला मैदान से बहराइच को 352 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 70 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए कहा कि बहराइच अब आकांक्षी जनपद नहीं, बल्कि विकास की नई पहचान बन रहा है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला तथा महाराजा सुहेलदेव के सम्मान, सुशासन और कानून व्यवस्था को प्रमुख मुद्दा बनाया। कहा कि बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों की जगह जेल या जहन्नुम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले बहराइच भू-माफिया और अवैध गतिविधियों के कारण बदनाम था लेकिन आज जिले की पहचान तेजी से बदल रही है।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने महाराजा सुहेलदेव को वह सम्मान दिलाया, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं दे सकीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने विदेशी आक्रांता सालार मसूद गाजी के नाम पर मेले को बढ़ावा दिया, जबकि उनकी सरकार ने इस पर रोक लगाकर महाराजा सुहेलदेव के नाम पर भव्य स्मारक और मेडिकल कॉलेज स्थापित कराया।मुख्यमंत्री ने कहा कि बाराबंकी-बहराइच फोरलेन परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है। उन्होंने दावा किया कि कृषि के क्षेत्र में बहराइच देश में दूसरे और शिक्षा के क्षेत्र में चौथे स्थान पर पहुंचा है। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों को इंटरमीडिएट तक अपग्रेड करने, भरतपुर में विस्थापित परिवारों के लिए आवासीय कॉलोनी तथा अन्य विकास योजनाओं का भी उल्लेख किया।समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले किसान आत्महत्या करने को मजबूर था, कानून व्यवस्था चरमरा गई थी और भ्रष्टाचार विकास पर भारी था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार बिना जाति और तुष्टीकरण के सुशासन के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों की जगह जेल या जहन्नुम है, उन्होंने कहा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने जिले में मगरमच्छ और तेंदुए के हमलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने वन विभाग और प्रशासन को जंगल से सटे गांवों में गश्त बढ़ाने, बिना दरवाजे वाले घरों में दरवाजे लगवाने तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से लोगों को वन्यजीवों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए, ताकि जनहानि रोकी जा सके। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल, आईजी अशोक शुक्ला, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने व्यवस्थाओं की निगरानी की। जनसभा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग मौजूद रहे।

वे हमें उलझा रहे थेः संसद मार्च के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार पर लगाए आरोप, कहा- नड्डा के घर किया गया नजरबंद

संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के बाद अभिजीत दिपके ने आरोप लगाया कि जेपी नड्डा से बातचीत के बहाने पार्टी के दो प्रतिनिधियों को नजरबंद किया गया। वहीं, बाहर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज हुआ। उन्होंने दिल्ली पुलिस के पुरुष कर्मियों पर छात्राओं के साथ हिंसा का भी आरोप लगाया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात को लेकर कहा कि

सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को नजरबंद किया गया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के पुरुष कर्मियों पर महिलाओं के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया है। दीपके ने क्या आरोप लगाए- ,दीपके ने पत्रकारों से बताया कि जेपी नड्डा ने हमारे पैनल को चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने समाधान निकालने और बातचीत करने का वादा किया था। लेकिन बातचीत के लिए बुलाने के बाद, उन्होंने यहां लाठीचार्ज कर दिया। इस तरह वे हमें फंसाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने सौरभ दास और आशुतोष को जेपी नड्डा के घर में ही नजरबंद कर दिया। उनके फोन छीन लिए गए। हम तीन घंटे तक आशुतोष और सौरभ से संपर्क नहीं कर पाए।

संपादकीय Editorial

Himachal on the Identity of Water

The scope of thinking was already strong in Himachal, but now the Sukhu government has seen gems and jewels in every drop of it, not just water. This is why, after the Kishau Dam agreement, the Chief Minister neither learned to limit himself to profit nor abandoned his goal of promoting the identity of water. Kishau Dam had already become a profitable dam, and now Himachal has initiated the innovation of making it a drinking water dam. This is an innovation to achieve economic interests. Needless to say, no previous Chief Minister has bargained for economic rights to this extent. But it is time to open the political file of Punjab Reorganization from the era of the late Y.S. Parmar. We have already said that by acquiring a mere piece of land for Himachal through the Punjab Reorganization, all power, advocacy of interests, and the test of justice were abandoned. Did the dirty politics of that time continue to distinguish between upper and lower Himachal, or was it all limited to bargaining, employees, and the apple lobby? Not only Parmar, but Shanta Kumar also became somewhat entangled. However, the Sukhu government, following a well-planned strategy, first made Kishau a profitable dam, adding 600 crore rupees to its annual income, and now, by treating it as a drinking water tank, has opened the door to years of thirst, the reorganization of Punjab. His meetings with Union Minister Manohar Lal and his advocacy now argue that if the Kishau Dam is to be maintained, its foundation stones must be laid only by ensuring Himachal's participation and share in the Punjab reorganization. Chief Minister Sukhvinder Sukhu has enhanced the state's stature and prestige through a policy of give and take. Otherwise, our neighboring states would not have talked about equality or would have resorted to disregarding Himachali rights. By turning the tide of multilateral negotiations, Himachal has taken a major gamble by taking on the responsibility of sharing Haryana's pain.

Earlier, the termination of the Indus Water Treaty strengthened Himachal's nationalist position. Why should we remain silent while building water graves or water graves? To ensure that all these dams do not prove to be a grave threat to our rights, the Sukhu government has placed the Kishau Dam on one side and the rights of Punjab Reorganization on the other, so that the demand for justice remains intact. The BBMB cannot continue to oppress us, so Himachal Pradesh must immediately receive the pending payment of 13.066 million units of electricity, or an amount of Rs. 4200 crore, based on the 7.19 percent ratio derived from Supreme Court decisions. These are inches of economic rights, measured in terms of the Kishau Dam. Once Haryana and Punjab accept Himachal's position in the reorganization, all water distribution issues will be healed. By tying a bell around the neck of the Kishau Dam project, which is of national interest, Himachal has sounded the alarm for its economic interests. Now, Punjab will also have to relinquish its illegal occupation of the Shanan Power Project. Furthermore, if Himachal Pradesh receives, on judicial grounds, its 50 percent share from the central power projects that have been producing for forty years, in the partnership of national resources and hydropower projects. This is a test of self-respect, self-reliance and self-confidence, which the Sukhu government is determined to achieve with a strategy.

The Magical World of World Cinema: Kathryn Bigelow – A Filmmaker Who Makes Films on Male Subjects

In 2010, her ex-husband, James Cameron, was also in the Oscar race with his film "Avatar." Kathryn, along with several other directors, presented her film "The Hurt Locker." Veteran directors like Quentin Tarantino and David Fincher were present. People often assume that if a woman writes or produces films, they will depict love, home, and family. But is this true?

Science fiction author and screenplay writer Lee Brackett's writings have produced films that have earned her the nickname "The Queen of Space Opera." Similarly, Kathryn Ann Bigelow makes films about male subject matter and action. She holds a position of unmatched authority. She is the first female filmmaker to receive the BAFTA Award for Best Director, not once but twice. Furthermore, she has also received two Academy Awards and a Primetime Emmy Award.

Interestingly, in 2010, her ex-husband, James Cameron, was also in the Oscar race with his film "Avatar." Along with several other directors, Kathryn presented her film "The Hurt Locker." Veteran directors like Quentin Tarantino and David Fincher were present. Kathryn Ann Bigelow received the Oscar that year. The film won six Academy Awards, garnering a total of 125 honors. It won the Oscar for Best Picture and Best Direction. Speaking about the film, she says, "War is a disgusting little secret that some men love." The film begins with the statement, "War is an addiction." But soldiers and some viewers enjoy it, and they are excited by it. Let's see what this two-and-a-quarter-hour film has to offer. During the Iraq War, Sergeant William James (Jeremy Renner) is assigned to an Army bomb squad. The other members of his group are suspicious of him. They fear his carelessness could cost some or all of them their lives. The film's goal is to delve into why he risks his life to defuse the bomb. "The Hurt Locker" also won the BAFTA Awards for Best Picture and Best Direction.

Born on November 27, 1951, the only child of Gertrude Katherine and Ronald Elliot Bigelow, Bigelow enjoys telling stories that depict men and women who choose a life of risk. But for her, the dangers of this life come second, with the people coming first. Her directorial debut came in 1981 with "Loveless," which she co-wrote and directed with Monty Montgomery. The film is based on an outlaw biker. Each character is a reckless character. The first film attracted critical attention. The song playing during the credits conveys the film's theme to the audience.

Katherine, who has won 88 awards, has directed 23 films and produced 12. In 1991, she directed the two-hour film "Point Break," written by Rick King and W. Peter Lief. The film stars Patrick Swayze and Keanu Reeves. An FBI agent goes undercover to investigate a group of surfers who may be bank robbers. Prior to this, she directed the 1990 action thriller "Blue Steel," a film centered around a female police officer.

After a brief two-year marriage, Katherine made the nearly two-and-a-half-hour film "Strange Days" in 1995, with a screenplay by James Cameron and Jay Cox. In December 1999, the world was going crazy about the coming 21st century, and this madness was particularly acute in Los Angeles. But at this very moment, some people were successful. Gangs of rowdy people were roaming the streets with guns. This cyber-psychological thriller, depicting anarchy, introduced a new theme. The film keeps the viewer captivated throughout. Kathryn has acted in videos, music videos, and television. Having acted in only six films, she spent two years training at the San Francisco Art Institute, a skill she possesses. Her talent earned her two scholarships: the first for the Whitney Museum Independent Study Program at the age of 20, and the second for film education at the Columbia School of the Arts, where she graduated in 1979. Kathryn later taught there. Her artistic work has been reviewed by her friend Susan Sontag, among many other critics. She was a member of the British avant-garde (Young Turks) group, associated with art and language. Kathryn Bigelow has directed feature films, videos, television, and music videos, including her 2012 film, "Zero Dark Thirty." Because she enjoys making risky films, she made "Zero Dark Thirty" in 2012, about which she says, "I think we were right." She is proud of this movie and stands firmly behind it. It is a deeply moral film that questions the use of power. It questions what has been done. The Academy Award-winning film for sound editing, "Zero Dark Thirty," chronicles the decade-long campaign to capture a terrorist. This terrorist leader is the world-famous Osama bin Laden. America began its search for him with the fall of the Twin Towers on September 11th (the film also opens with this footage) and finally ended his life. The screenplay was written by Mark Boal. Jessica Chastain plays the lead role. She also repeatedly shows the human angle in this film. She has made real-life events from 1873 and 1961 the themes of her films. In 2009, the American Cine-Critic honored her by screening all of her films in Hollywood from June 5th to 7th. A year later, the Santa Barbara International Film Festival did the same, naming the segment "A Celebration of Kathryn Bigelow." The filmmaker of films like "Strange Days," "K-19: The Widow Maker," and "The Weight of Water," among others, loves films like "The Wild Bunch," "Mean Streets," "Lawrence of Arabia," "The Terminator," and all of Hitchcock's films. In the 1970s, while pursuing her art career, she saw "The Wild Bunch" and "Mean Streets" in New York.

Watching them became a life-changing experience. She considered these films extraordinary.

The Return of Secularism to Bengal

By facilitating Taslima's visit to Kolkata, the Suvendu Adhikari government exposed the hollow secularism of previous governments. Taslima Nasreen returned to Kolkata after two decades. The Suvendu Adhikari government made this return possible. This return symbolizes true secularism. The visit of Bangladesh's renowned writer Taslima Nasreen to Kolkata in early August to attend a literary festival is a positive sign. Previous governments in Bengal, under pressure from fundamentalists, did not allow Taslima to visit Kolkata for two decades. By facilitating Taslima's visit to Kolkata, the Suvendu Adhikari government exposed the hollow secularism of previous governments.

Allowing Taslima to come to Kolkata is a strong message to fundamentalists. Taslima had been living outside Bengal for two decades for opposing religious fundamentalism and male dominance. She has been exiled from her own country for 32 years. During her exile, she faced numerous bans on her books and death threats.

Before being exiled from Bangladesh, Taslima continued to write in support of women deprived of their rights there. Fundamentalists accused her of misleading Bangladeshi women. In 1992, her books were burned and she was pelted with stones at the Dhaka Book Fair. The book fair's organizer, the Bangla Academy, warned her to choose between a career as a doctor at Dhaka Medical College or writing. Taslima chose writing.

Taslima's famous book, "Lajja," further intensified the campaign against her by Bangladeshi fundamentalists. In this book, she described the brutal atrocities against Hindus in Bangladesh. A bounty of 50,000 taka and then 100,000 taka was announced on her head. Under pressure from fundamentalists, the Bangladeshi government issued a non-bailable warrant for her arrest.

The international community exerted pressure on Bangladesh, and the government there allowed Taslima to safely travel to Sweden in 1994. Since then, Taslima has been in exile from her country. During her early years in exile, Taslima spent most of her time in Sweden and France. After her exile, she occasionally visited Kolkata. Since 2004, she has lived mostly in India. She acquired a flat in Kolkata, where she lived from 2004 to November 21, 2007. Living in Kolkata, she felt connected to her roots.

According to Taslima, West Bengal is, in a sense, Bangladesh's cousin. Coming to a community speaking her own language feels like being at home. From Kolkata, on August 9, 2007, she traveled to the Hyderabad Press Club to attend the launch of the Telugu translation of her novel "Shodh," where fundamentalists attacked her. A few months later, on November 21, 2007, when fundamentalists in Kolkata staged a violent protest demanding Taslima's expulsion from India, the then Left-wing government of Bengal, which claimed to be a defender of secularism, capitulated to the fundamentalists and expelled Taslima from the state.

This same government had previously attacked freedom of expression by banning the third volume of Taslima's autobiography, "Dvikhandit." On November 22, 2007, Taslima was forcibly taken from Kolkata to Jaipur and from there to Delhi. The Mamata Banerjee government, which came to power after the Left Front and boasted of championing secularism, also did not allow Taslima to come to Kolkata.

This occurred despite various organizations in Bengal inviting Taslima to Kolkata, but the Left Front and Trinamool Congress governments allowed her to come. This was due to concerns about the votes of fundamentalists. This concern led Left parties and Trinamool Congress leaders to choose to bow to them.

Taslima's return to Kolkata after nearly two decades is her ultimate achievement. In a way, true secularism is returning to Bengal with her, while simultaneously exposing the false secularism. Her writings are pervasive with resistance to religious fanaticism and gender inequality. She is a heroine of resistance. An atheist and outspoken Taslima has firmly stated that she can endure death fatwas, bans on her books, and exile, but she will not submit to fundamentalism.

मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 11 न्याय पंचायतों में दो दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर होंगे आयोजित।

प्रभारी राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मुरादाबाद श्री सौरभ सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद की 11 न्याय पंचायतों की ग्राम सभाओं में ग्रामीण बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए दो दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देना तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत इच्छुक लाभार्थियों के प्रस्ताव विभाग द्वारा तैयार कराए जाएंगे तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए मशीन एवं उपकरणों पर ?1,00,000 (एक लाख रुपये) तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा फल एवं सब्जी आधारित उत्पादों जैसे सॉस, कैचप, फ्रूट जूस, कैंडी, पेठा, मुरब्बा, जैम, पापड़, बड़ी, अचार, आलू चिप्स सहित अन्य खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्माण की व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी दी जाएगी। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 लाभार्थियों को शामिल किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को लेखन सामग्री, प्रशिक्षण हेतु आवश्यक प्रयोगात्मक सामग्री तथा जलपान की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सभी प्रतिभागियों को खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में प्रवेश卐पहले आओ, पहले पाओ卐 के आधार पर दिया जाएगा। इच्छुक महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए तथा वे साक्षर हों। आवेदन के लिए आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण-पत्र की छायाप्रति एवं एक पासपोर्ट आकार का फोटो आवश्यक होगा।इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश प्रपत्र प्राप्त कर उसे भरकर राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मुरादाबाद में जमा कर प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण स्वरोजगार योजना के अंतर्गत नि:शुल्क एक माह का कुकरी/बेकरी प्रशिक्षण, 15 अगस्त तक करें आवेदन

प्रभारी राजकीय फल संरक्षण केन्द्र श्री सौरभ सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक माह का नि:शुल्क कुकरी (पाककला)/बेकरी प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को साउथ इंडियन, चाइनीज, फास्ट फूड सहित विभिन्न भारतीय एवं कॉन्टिनेंटल व्यंजन बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान सभी चयनित प्रशिक्षार्थियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण सामग्री किट उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत सूक्ष्म एवं लघु खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के इच्छुक लाभार्थियों द्वारा नियमानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने पर गठित समिति की संस्तुति के आधार पर मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण स्वरोजगार योजना के अंतर्गत परियोजना लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम ?1 लाख तक प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए 30 सीटें निर्धारित है। अभ्यर्थी का साक्षर होना अनिवार्य है तथा उसकी आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। यदि निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो अभ्यर्थियों का चयन मेरिट अथवा लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त कर निर्धारित प्रारूप में भरकर 15 अगस्त 2026 तक राजकीय फल संरक्षण केन्द्र में जमा कर दें। प्रशिक्षण से संबंधित अधिक जानकारी कार्य दिवसों में प्रात: 10ः00 बजे से सायं 5ः00 बजे तक राजकीय फल संरक्षण केन्द्र से प्राप्त की जा सकती है। मुरादाबाद में 22 जुलाई से 4 सितंबर तक चलेगा नि:शुल्क खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान, लगभग 3.67 लाख पशुओं को लगेगा टीका राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के अंतर्गत खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग की रोकथाम के लिए जनपद मुरादाबाद में 22 जुलाई से 4 सितंबर 2026 तक नि:शुल्क टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान जनपद के लगभग 3.67 लाख गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील दत्त प्रजापति ने बताया कि एफएमडी टीकाकरण के अष्टम चरण (राउंड-08) के सफल संचालन के लिए जनपद में 21 टीकाकरण टीमों का गठन किया गया है। 21वीं पशुगणना के अनुसार जनपद में कुल 3,86,812 गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशु हैं, जिनके सापेक्ष 3,67,450 डोज वैक्सीन प्राप्त हो चुकी है। सभी वैक्सीन को निर्धारित कोल्ड चेन व्यवस्था के तहत सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने बताया कि अभियान प्रारंभ होने से पूर्व 22 जुलाई से पहले सलेमपुर बांगर क्षेत्र से 13 पशुओं (11 महिषवंशीय एवं 2 गोवंशीय) के जीरो डे सैंपल लिए जाएंगे। इसके बाद वैक्सीन को पशु चिकित्सालयों से टीकाकरण टीमों के माध्यम से वैक्सीन कैरियर में सुरक्षित रखकर गांव-गांव और घर-घर पहुंचाया जाएगा। टीकाकरण के उपरांत प्रत्येक पशु का विवरण रियल टाइम आधार पर भारत पशुधन ऐप पर अपलोड किया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान जनपद के 1,04,210 गोवंशीय तथा 2,82,602 महिषवंशीय पशुओं का नि:शुल्क टीकाकरण किया जाएगा। यह कार्य जनपद के सभी आठ विकास खंडों में संचालित पशु चिकित्सालयों के माध्यम से संपादित होगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ग्राम एवं वार्ड में टीकाकरण प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित ग्राम प्रधान या वार्ड सदस्य को लिखित सूचना दी जाएगी तथा टीकाकरण पूर्ण होने के बाद उनसे प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किया जाएगा कि इच्छुक पशुपालकों के सभी पात्र पशुओं का टीकाकरण करा लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चार माह से कम आयु के बछड़े-बछियों तथा आठ माह से अधिक गर्भित गाय एवं भैंसों को छोड़कर सभी पात्र गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा।

राज्यपाल बदलते ही जौहर विवि को मिला अल्पसंख्यक दर्जा, दो बार अटके विधेयक को अजीज कुरैशी ने दी मंजूरी

जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी। वर्ष 2007 में अल्पसंख्यक दर्जा देने का विधेयक विधानसभा और विधान परिषद से पारित होकर राज्यपाल के पास पहुंचा, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल टीवी राजेश्वर और बी.एल. जोशी ने उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरैशी को यूपी मंजूरी दे दी।सपा के कद्दावर नेता आजम खां की शुरुआत से चर्चाओं में रही है। सपा शासन में जब यूनिवर्सिटी की बुनियाद डाली तब हुए समारोह यूपी के 30 से ज्यादा मंत्रियों की रामपुर में मौजूदगी दर्जा मिलने का सफर भी कई बार सुर्खियों में राजेश्वर के कार्यकाल में मंजूरी मिली और न ही बीएल जोशी के समय में। सात साल इंतजार के में, जब उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरैशी के यूनिवर्सिटी की स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी। अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा देने संबंधी होकर राज्यपाल के पास भेजा गया। तत्कालीन बीएल जोशी ने इसे मंजूरी नहीं दी। इस तरह यह कुछ समय बाद परिस्थितियां बदलीं। तत्कालीन

दे दिया। इसके बाद वर्ष 2014 में उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरैशी को उत्तर प्रदेश के गवर्नर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने सात वर्ष से लंबित इस विधेयक को मंजूरी दे दी।इसके बाद जौहर यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिल गया। यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान का दर्जा देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की अनुमति को आधार बनाया गया था जो वर्ष 2012 में मिली थी। रामपुर के भाजपा नेता एवं लंबे समय तक आजम खां के मीडिया प्रभारी रह चुके फसाहत अली खां ने स्वीकार किया कि जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना के बाद से अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने तक में काफी समय लगा था। इसके लिए शिक्षा प्रेमियों ने लंबा संघर्ष किया था। वर्ष 2014 में जब उत्तराखंड के गवर्नर रहे अजीज कुरेशी के पास यूपी के राज्यपाल का भी प्रभार था, तब इस विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिला था।बिल मंजूर होने के बाद भाजपा ने जताया था विरोध - वर्ष 2014 में कार्यवाहक राज्यपाल अजीज कुरैशी द्वारा विधेयक को मंजूरी दिए जाने के बाद भाजपा ने इसका विरोध किया था। तत्कालीन भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उस समय यह मामला काफी चर्चा में रहा था।बिल लंबित रहने पर आजम ने राज्यपाल पर साधा था निशाना - सपा से जुड़े लोगों के अनुसार विधेयक लंबित रहने के दौरान सपा नेता आजम खां ने तत्कालीन राज्यपाल की कार्यप्रणाली पर कई बार सवाल उठाए थे। विरोध भी किया था। पार्टी नेताओं का कहना है कि राज्यपाल के रामपुर दौरे के दौरान आजम खां कुछ समय के लिए धरने पर भी बैठ गए थे।जौहर विवि की स्थापना के बाद अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने में काफी समय लगा। इसके लिए शिक्षा प्रेमियों ने लंबा संघर्ष किया। वर्ष 2014 में विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक विश्वविद्यालय का दर्जा मिला। -फसाहत अली खां शानू, भाजपा नेता एवं आजम खां के पूर्व मीडिया प्रभारी

UP में चिकन सेंटर संचालक का कत्ल: तीन दोस्तों ने चाकू से काट दी गर्दन, घर से बुलाकर इसलिए मारा; यहां फेंकी लाश

मुरादाबाद के भोजपुर में चिकन सेंटर संचालक की चाकू से गर्दन रेतकर हत्या कर दी गई। आरोपी मृतक को घर से बुला कर ले गए थे। 20 दिन पहले हुई मारपीट के विवाद में तीन दोस्तों ने वारदात को अंजाम दिया।मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना इलाके के बरवालान निवासी चिकन सेंटर संचालक एहसान उर्फ रितिक (21) की चाकू से गर्दन रेतकर हत्या कर दी गई। इस वारदात को एहसान उर्फ रितिक के ही तीन दोस्तों ने 25 हजार रुपये के विवाद में 20 दिन पहले हुई मारपीट का बदला लेने के लिए अंजाम दिया है। एहसान की लाश एक आरोपी फैज के भोजपुर क्षेत्र के रसूलपुर नंगला खेम गांव में बंद पड़े कारखाने से बरामद हुई है। पुलिस ने दो आरोपी तनवीर और फैज को गिरफ्तार कर लिया है। तीसरे आरोपी एसपी पठान की तलाश की जा रही है। मुगलपुरा थाना क्षेत्र के बरवालान फकीरों वाली गली निवासी मेजुर्रहमान ने बताया कि उसके छह बेटों में दूसरे नंबर का बेटा एहसान उर्फ रितिक मोहल्ले में ही चिकन सेंटर चलाता था। बरवालान में ही रहने वाले फैज से एहसान का 25 हजार रुपये को लेकर 20 दिन पहले विवाद हो गया था।इस मामले की शिकायत थाने में की गई थी लेकिन दोनों पक्षों के लोगों ने समझौता कर लिया और फैज ने अपनी गलती मान ली थी। इसके बाद दोनों पक्ष अपने-अपने घर चले गए थे। पिता का आरोप है कि रविवार की रात करीब 10 बजे फैज, तनवीर और एसपी पठान उसके बेटे को चाय पिलाने के बहाने ताजपुर स्थित दुकान पर ले गए थे।रात करीब साढ़े 11 बजे तनवीर की मां एहसान के घर पहुंची और उसने बताया कि उसका बेटा नहीं मिल पा रहा है। इसके बाद एहसान के पिता, मां और भाई भी तनवीर की तलाश में जुट गए। सोमवार की सुबह करीब

पांच बजे सभी लोग भोजपुर के रसूलपुर नगला खेत में फैज के बंद पड़े कारखाने में पहुंच गए।उन्होंने यहां देखा कि एहसान उर्फ रितिक की लाश पड़ी थी। उसकी गर्दन काटकर हत्या की गई थी। पुलिस अधीक्षक देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि एहसान के पिता की तहरीर पर फैज, तनवीर और एसपी पठान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।फैज और तनवीर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने बताया कि 20 दिन पहले हुई मारपीट का बदला लेने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया है। तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बाप की अर्थी के सामने बंटवारे पर भिड़े चार बेटे, पूरी रात घर में रखा रहा शव; पंचायत को करना पड़ा हस्तक्षेप

यूपी के अमरोहा से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। पिता के निधन के बाद चार बेटे जमीन बंटवारे को लेकर आपस में भिड़ गए। पूरी रात शव घर में ही रखा रहा। पंचायत के हस्तक्षेप के बाद विवाद शांत हुआ। उसके बाद अंतिम संस्कार किया गया।अमरोहा के नौगावां सादात कस्बे के एक मोहल्ले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया। लंबी बीमारी के बाद बुजुर्ग की रविवार दोपहर मौत हो गई। जिस समय परिवार को उन्हें अंतिम विदाई देने की तैयारी करनी थी, उसी समय चारों बेटे पैतृक मकान के बंटवारे को लेकर आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि अंतिम संस्कार की तैयारियां बीच में ही रोकनी पड़ीं और पूरी रात शव घर में ही रखा रहा। सोमवार को पंचायत के हस्तक्षेप के बाद विवाद शांत हुआ, जिसके बाद दोपहर में शव का अंतिम संस्कार किया गया।बताया गया कि बुजुर्ग की पत्नी का पहले ही निधन हो चुका था। उनके नाम पर कस्बे में एक छोटा मकान है, जिसमें चारों बेटे अलग-अलग हिस्सों में रहते हैं। रविवार को बुजुर्ग की मौत की सूचना मिलने पर रिश्तेदार और परिचित भी पहुंच गए थे। तिगरी गंगा घाट पर अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी, तभी मकान पर स्वामित्व को लेकर भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और एक बेटे ने पूरे मकान पर अपना अधिकार जताते हुए पुलिस को बुला लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी अपनी बात से पीछे हटने को तैयार नहीं हुआ। विवाद के चलते रिश्तेदार भी वापस लौट गए और शव पूरी रात घर में ही रखा रहा। सोमवार सुबह भी जब विवाद जारी रहा तो गांव के लोगों ने हस्तक्षेप किया। इसके बाद पंचायत बुलाई गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि पहले वृद्ध का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया जाएगा और उसके बाद मकान के बंटवारे का मामला आपसी सहमति या कानूनी प्रक्रिया से निपटाया जाएगा। पंचायत के निर्णय पर सभी पक्ष सहमत हुए, जिसके बाद सोमवार दोपहर करीब 12 बजे अर्थी घर से उठी और तिगरी गंगा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। पिता की मृत्यु के तुरंत बाद संपत्ति को लेकर बेटों के बीच हुए विवाद की चर्चा पूरे इलाके में रही।सीओ अवधभान भदौरिया ने इस तरह के किसी मामले की जानकारी होने से इन्कार किया है।

जौहर विश्वविद्यालय पर शिकंजा: 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के खिलाफ कमिश्नर कोर्ट में अपील, 28 जुलाई को सुनवाई

रामपुर की मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय ने आरडीए द्वारा 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ मंडलायुक्त न्यायालय में अपील दायर की है। मामले की सुनवाई 28 जुलाई को होगी। रामपुर की मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय और मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट ने रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ आरडीए अध्यक्ष/मंडलायुक्त के न्यायालय में अपील दाखिल की है। अपील में आरडीए के आदेश को चुनौती दी गई है। आरडीए अध्यक्ष/मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले की सुनवाई 28 जुलाई को की जाएगी। अपील मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट, रामपुर की चेयरमैन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी निखत अफलाक खान तथा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार नूर-उस सलाम की ओर से अधिवक्ता मोहम्मद जुनैद एजाज ने दाखिल की है।इसमें रामपुर विकास प्राधिकरण, उसके उपाध्यक्ष, जिला पंचायत रामपुर के अपर मुख्य अधिकारी, क्षेत्र पंचायत सैदपुर के बीडीओ एवं प्रशासक को पक्षकार बनाया गया है। अधिवक्ता मोहम्मद जुनैद एजाज ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के समय सींगनखेड़ा क्षेत्र आरडीए के अधिकार क्षेत्र में नहीं था।अपील में जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत के प्रावधानों से जुड़े कई कानूनी तर्क दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि यदि जिला पंचायत से मानचित्र स्वीकृत कराना आवश्यक था और ऐसा नहीं कराया गया, तो नियमों में 500 रुपये के अर्थदंड का प्रावधान है। अपील में यह भी उल्लेख किया गया है कि कारण बताओ नोटिस में आरडीए ने स्वयं भूमि को शैक्षणिक उपयोग की भूमि बताया है। उन्होंने कहा कि इन्हीं आधारों पर राहत की मांग की गई है। विश्वविद्यालय प्रबंधन का दावा है कि संबंधित भवन वर्षों से शैक्षणिक गतिविधियों का हिस्सा हैं और उन्हें ध्वस्त किए जाने से हजारों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

23 लाख रुपए की लागत से बने भूकंपरोधी नए कमरों का एमएलसी कुमार महाराज सिंह ने किया लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ भूता। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बिल्हुआ में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नवनिर्मित भूकंपरोधी विद्यालय भवन का लोकार्पण विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कुमार महाराज सिंह ने किया। लगभग 23 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस भवन के उद्घाटन अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शुक्ला भी मौजूद रहे। प्रधानाचार्य संतोष पांडे की देखरेख में तैयार किए गए इस दो मंजिला भवन में नीचे दो तथा ऊपर दो विशाल, हवादार एवं आधुनिक कक्ष बनाए गए हैं। भवन का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध होगा। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए एमएलसी कुमार महाराज सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए मजबूत आधारभूत सुविधाएं अत्यंत आवश्यक हैं। सरकार विद्यालयों के विकास और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शुक्ला ने विद्यालय परिवार को नए भवन की शुभकामनाएं देते हुए इसके समुचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संतोष पांडे, खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शुक्ला, पूर्व ए आर पी रोहित शर्मा, आमोद यादव सहित न्याय पंचायत के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डेंगू-मलेरिया से जंग तेज, CMO ने दिए फॉगिंग और एंटीलार्वा के कड़े निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिले में चल रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को प्रभावी बनाने के लिए मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने खंड विकास क्षेत्र मझगवां के अति संवेदनशील गांव कुंडरिया खुर्द और प्रहलादपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गांव में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान को तत्काल नालियों की सफाई कराने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए नियमित एंटीलार्वा छिड़काव और साप्ताहिक फॉगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए स्वच्छता और समय पर रोकथाम के उपाय बेहद जरूरी हैं। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने ग्रामीणों को फुल बाजू के कपड़े पहनने, मच्छरदानी का उपयोग करने, घर के आसपास जलभराव न होने देने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा बुखार आने पर तुरंत जांच कराने और चिकित्सक द्वारा बताई गई दवा का पूरा कोर्स लेने के लिए जागरूक किया। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां पहुंचकर उन्होंने एएनएम के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान टीकाकरण, आयुष्मान भारत कार्ड तथा जननी सुरक्षा योजना (छ्वस्ङ्घ) भुगतान की प्रगति का भी जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला मलेरिया अधिकारी, सीएचसी अधीक्षक, सहायक मलेरिया अधिकारी, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक, मलेरिया निरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारी, सीएचओ, बीसीपीएम, आशा कार्यकर्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मुठभेड़ में पशु तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार, गोली लगने से दोनों घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भोजीपुरा थाना पुलिस ने पशु तस्करी के दो आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है। एक सिपाही भी घायल हुआ है। पुलिस ने मौके से एक गोवंशीय पशु को सुरक्षित बचाया। इसके साथ ही अवैध हथियार और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले औजार भी बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान दानिश और फईम के रूप में हुई है जो भोजीपुरा थाने के धौराटांड़ा कस्बे के निवासी हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे और कारतूस बरामद किए। दोनों आरोपी पहले भी गोवध निवारण अधिनियम के तहत वांछित थे। घायल आरक्षी और आरोपियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोजीपुरा में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल पर यूकेलिप्टस के पेड़ से एक गोवंशीय पशु बंधा मिला। उसके चारों पैर और मुंह बंधे हुए थे। मौके से प्रयुक्त दो छुरियां, एक बांका, एक लोहे का दांव, एक लकड़ी का गुटका और रस्सी के 10 टुकड़े भी मिले। पुलिस ने थाना भोजीपुरा पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

महिला से पर्स झपटने वाले दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार, भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना आंवला पुलिस ने झपटमारी की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 6 हजार रुपये नकद, सैमसंग गैलेक्सी मोबाइल फोन तथा वारदात में इस्तेमाल की गई चोरी की स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 16 जुलाई को भमोरा क्षेत्र निवासी जफर मोहम्मद ने तहरीर देकर बताया था कि उनकी भाभी से बाइक सवार दो युवकों ने पर्स झपट लिया था। पर्स में आठ हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन रखा था। शिकायत के आधार पर थाना आंवला में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना, सुरागरसी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने कौशल उर्फ भोलू उर्फ गोलू तथा विशाल को बेहटा जुनू-मनौना मार्ग से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में दोनों के पास से लूटी गई नकदी और मोबाइल बरामद हुए। जांच में यह भी सामने आया कि जिस स्प्लेंडर बाइक से दोनों वारदात को अंजाम देते थे, वह भी पहले चोरी की गई थी। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने महिला से झपटमारी और मोटरसाइकिल चोरी की घटना स्वीकार कर ली। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

दिव्यांग आश्रय गृह पहुंचे डीएम अविनाश सिंह, भोजन से लेकर इलाज तक नहीं होगी कोई कमी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मंगलवार को सुभाष नगर स्थित दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित नवीन मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र (पुरुष) तथा ममता राजकीय मानसिक मंदित बालिका विद्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भोजनालय, भंडार गृह, वार्ड, प्रशिक्षण कक्ष और चिकित्सा व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा तथा अधिकारियों को साफ-सफाई, गुणवत्तापूर्ण भोजन और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीएम ने भोजनालय में निर्धारित मेन्यू के अनुसार तैयार भोजन की गुणवत्ता देखी और भंडार गृह में खाद्य सामग्री की उपलब्धता का निरीक्षण किया। साथ ही आरओ वाटर प्यूरीफायर, पेयजल व्यवस्था और अग्निशमन यंत्रों की भी जांच की। उन्होंने वार्डेन एवं नर्स कक्ष का निरीक्षण करते हुए संवासियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और दवा वितरण की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में आश्रय गृह में 28 मानसिक मंदित संवासी रह रहे हैं, जिनका समय-समय पर मेडिकल चेकअप कराया जाता है।

निरीक्षण के दौरान डीएम प्रशिक्षण कक्ष भी पहुंचे, जहां संवासियों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। उन्होंने संवासियों से आत्मीय बातचीत की, उनकी दिनचर्या और नाश्ते के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें फल वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इसके बाद जिलाधिकारी ने ममता राजकीय मानसिक मंदित बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि विद्यालय के सुचारु संचालन के लिए निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, लखनऊ को आवश्यक कार्मिक उपलब्ध कराने हेतु पत्र भेजा जा चुका है। इस पर डीएम ने शीघ्र पुनः पत्र भेजने के निर्देश दिए ताकि आवश्यक नियुक्तियां होने के बाद विद्यालय भी आश्रय गृह की तर्ज पर नियमित रूप से संचालित किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी चमन सिंह, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फिर गरजा अतिक्रमण पर नगर निगम का बुलडोजर, विरोध के बीच हुई कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कांवड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए और यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से नगर निगम की टीम ने मंगलवार सुबह सुभाषनगर के मुख्य बाजार में बड़ी कार्रवाई की। नाथ कॉरिडोर परियोजना के तहत कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य में बाधक बन रहे अतिक्रमण पर निगम का बुलडोजर चला। इस दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया, लेकिन प्रवर्तन दल की मौजूदगी में निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। नाथ कॉरिडोर परियोजना के तहत स मार्ग का चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य लंबे समय से जारी है, लेकिन अतिक्रमण के कारण कार्य की रफ्तार धीमी पड़ गई थी। नगर निगम प्रशासन की ओर से क्षेत्रवासियों और अतिक्रमणकारियों को खुद से कब्जा हटाने के लिए कई बार नोटिस देकर चेतावनी दी गई थी।

इसके बावजूद जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो मंगलवार सुबह नगर निगम की टीम प्रवर्तन दल के साथ मौके पर पहुंच गया और बुलडोजर चलाकर अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया।अभी और तेजी से हटाए जाएंगे अतिक्रमण कार्रवाई के संबंध में नगर निगम के अधिशासी अभियंता राजीव राठी ने बताया कि सावन माह जल्द ही शुरू होने वाला है, जिसके कारण इस मार्ग पर श्रद्धालुओं और आम जनता की आवाजाही काफी बढ़ जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण कार्य को समय पर पूरा करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतिक्रमण हटने के बाद अब निर्माण कार्य में तेजी आएगी और सावन शुरू होने से पहले सड़क को आवागमन के लिए पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा।

आठ छात्राओं के अश्लील फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल,केस दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। एक ही कॉलेज की आठ छात्राओं के अश्लील फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गए हैं। उसी कॉलेज में पढ़ने वाले एक छात्र ने यह गंदी हरकत की है। उसने छात्राओं के इंस्टाग्राम से उनकी तस्वीरे लेने के बाद एआई की मदद से एडिट करके अश्लील बना दिया। इसके बाद फर्जी इंस्टाग्राम एकाउंट खोलकर सभी तस्वीरों को वहां पोस्ट कर दिया। एक साथ कॉलेज की इतनी छात्राओं की फोटो से खलबली मच गई। इन छात्राओं में एक पुलिसकर्मी की बेटी है। उसने हिम्मत की और अपनी मां से शिकायत की। उसके भाई ने पुलिस वालों की मदद से पता किया तो आरोपी का नंबर मिल गया। साइबर सेल ने छात्रा की मां की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इज्जतनगर क्षेत्र में रहने वाले पुलिसकर्मी की पत्नी की ओर से की गई शिकायत में यह घटना 29 जून की बताई गई है। इसमें कहा गया है कि 12वीं में पढ़ने वाली उनकी बेटी समेत क्लास की 14-17 आयुवर्ग की आठ छात्राओं के इंस्टाग्राम अकाउंट से उनके फोटो चोरी किए गए। फिर एआई के जरिये उन फोटो को अश्लील बनाने के बाद फर्जी नाम से बनाए गए कई इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पोस्ट कर दिए गए। कॉलेज में छात्र-छात्राओं के बीच इन फोटो को लेकर चर्चा हुई तो हड़कंप मच गया। बदनामी के डर से छात्राओं ने अपने घरवालों को भी इस बारे में नहीं बताया। पुलिसकर्मी की बेटी ने इस बारे में अपने भाई को बताया तो उसने इन फर्जी अकाउंट की जांच की तो सामने आया कि तीन अकाउंट एक ही मोबाइल नंबर से लिंक थे। जब उस मोबाइल नंबर पर बात की गई तो पता चला कि वह नंबर उसकी बहन की क्लास में पढ़ने वाले एक छात्र का ही है। इस घटना के बारे में बात करने पर आरोपी ने अपना अकाउंट हैक होने की बात कही और तीनों फर्जी अकाउंट डिलीट कर दिए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सुभाषनगर अंडरपास को राज्य से जल्द जारी होगा बजट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। हजारों लोगों के आवागमन में बाधा बनी सुभाषनगर पुलिया पर अब जल्द अंडरपास बनने की उम्मीद जगी है। लोक निर्माण विभाग ने इसे प्रथम प्राथमिकता सूची में शामिल करते हुए शासन को प्रस्ताव भेजा है। कैंट विधायक संजीव अग्रवाल भी शासन स्तर पर इसके लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। माना जा रहा है कि राज्य इसके लिए रेलवे को जल्द ही बजट जारी करेगा। जीएसटी सहित परियोजना की लागत करीब 64 करोड़ रुपये होगी। बजट मिलते ही निर्माण शुरू होगा। तपेश्वरनाथ मंदिर की राह होगी आसान- सुभाषनगर पुलिया के नीचे हल्की सी बारिश होते ही भारी जलभराव हो जाता है, जिससे हजारों राहगीरों और स्थानीय निवासियों का आवागमन पूरी तरह ठप्प हो जाता है। अंडरपास बनने से न केवल इस पुरानी समस्या का स्थायी समाधान होगा, बल्कि प्रसिद्ध तपेश्वरनाथ मंदिर दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय जनता को भी जाम से बड़ी राहत मिलेगी। तपेश्वरनाथ मंदिर की राह होगी आसान- सुभाषनगर पुलिया के नीचे हल्की सी बारिश होते ही भारी जलभराव हो जाता है, जिससे हजारों राहगीरों और स्थानीय निवासियों का आवागमन पूरी तरह ठप्प हो जाता है। अंडरपास बनने से न केवल इस पुरानी समस्या का स्थायी समाधान होगा, बल्कि प्रसिद्ध तपेश्वरनाथ मंदिर दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय जनता को भी जाम से बड़ी राहत मिलेगी।

बरेली जेआरसी में 06 से 13 अगस्त तक होगी अग्निवीर भर्ती रैली

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जाट रेजिमेंट सेंटर (जेआरसी) बरेली में यूनिट हेडक्वार्टर्स (यूएचक्यू) कोटा के तहत छह से 13 अगस्त 2026 तक अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। भर्ती में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, ट्रेड्समैन, स्पोर्ट्स और क्लर्क पदों के लिए पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी शांतनु ने बताया कि भर्ती रैली युद्ध विधवाओं के पुत्रों, जाट रेजिमेंट के पूर्व एवं सेवारत सैनिकों के पुत्रों और सगे भाइयों, युद्ध में शहीद व घायल सैनिकों के आश्रितों तथा उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए आयोजित की जा रही है। अन्य रेजिमेंटों के पूर्व एवं सेवारत सैनिकों के पुत्र, भाई और कानूनी रूप से गोद लिए गए बच्चे भी निर्धारित पात्रता के अनुसार भाग ले सकेंगे। सुबह सात बजे के बाद नहीं मिला प्रवेश - अभ्यर्थियों को सभी मूल प्रमाणपत्र और आवश्यक दस्तावेजों के साथ सुबह चार बजे जाट रेजिमेंटल सेंटर के जाट गेट पर रिपोर्ट करना होगा। सुबह सात बजे के बाद पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को भर्ती में शामिल नहीं किया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी जाट रेजिमेंटल सेंटर, बरेली के भर्ती कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

31 अक्टूबर तक ईपीएफओ में कर्मचारियों का नामांकन कराएं

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली ने सभी नियोजकों से कर्मचारी नामांकन अभियान (EmployeesÓ Enrolment Campaign-EEC)-2026 का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है। यह अभियान 1 जुलाई 2026 से 31 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है।

अभियान के तहत 1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2026 के बीच कार्यरत ऐसे पात्र कर्मचारियों का ईपीएफ में नामांकन कराया जा सकता है, जो किसी कारणवश अब तक ईपीएफ के दायरे में शामिल नहीं हो सके।

ईपीएफओ के अनुसार, नियोजक ईपीएफ पोर्टल के माध्यम से पात्र कर्मचारियों का ऑनलाइन घोषणा-पत्र प्रस्तुत कर पूर्व अनुपालन पूरा कर सकते हैं। जिन मामलों में कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ अंश नहीं काटा गया है, उन्हें कर्मचारी अंशदान से छूट दी जाएगी। हालांकि नियोजकों को केवल अपना अंश, लागू ब्याज, प्रशासनिक प्रभार और नाममात्र की क्षतिपूर्ति राशि जमा करनी होगी।

ईपीएफओ ने औद्योगिक, वाणिज्यिक, शैक्षणिक, चिकित्सीय तथा अन्य पात्र संस्थानों से 31 अक्टूबर 2026 से पहले इस विशेष अवसर का लाभ उठाकर सभी पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की अपील की है।

तीन दिन की मूसलाधार बारिश से चांदनी-बिहारपुर का जनजीवन ठप

उफनती बरगा नदी को कंधे पर बाइक रखकर पार कर रहे ग्रामीण, वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच / पुल-पुलिया और पक्की सड़क के अभाव में रसोकी, लूल्ह, तेलाईपाठ, भूंडा समेत कई गांवों का संपर्क टूटा, वर्षों से मांग के बाद भी नहीं बनी सड़क बिहारपुर-सूरजपुर जिले के दूरस्थ चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में लगातार तीन दिनों से हो रही भारी बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार वर्षा के कारण बरगा नदी सहित क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े नदी-नाले उफान पर हैं। कई मार्ग जलमग्न हो गए हैं, जबकि कच्ची सड़कें दलदल में तब्दील हो चुकी हैं। इसका सबसे अधिक असर रसोकी, लूल्ह, तेलाईपाठ, भूंडा तथा आसपास के गांवों पर पड़ा है, जिनका मुख्यालय से संपर्क लगभग टूट गया है। बारिश के बीच सबसे चिंताजनक तस्वीर बरगा नदी से सामने आई है, जहां ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर उफनती नदी को पार करने को मजबूर हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कई ग्रामीण मोटरसाइकिल को कंधे पर उठाकर तेज बहाव वाली नदी पार करते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मजबूरी में ऐसा करना पड़ रहा है, क्योंकि गांव तक पहुंचने का दूसरा कोई सुरक्षित रास्ता नहीं है। हर बरसात में दोहराती है यही त्रासदी- ग्रामीणों के अनुसार बिहारपुर से रसोकी जाने वाले मार्ग पर उमझर के आगे आज भी पक्की सड़क नहीं बनी है। बरगा नदी पर पुल-पुलिया का निर्माण नहीं होने के कारण हर वर्ष बरसात आते ही यही स्थिति बन जाती है। कुछ दिनों की तेज बारिश पूरे क्षेत्र को बाकी दुनिया से अलग कर देती है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाना, बच्चों का स्कूल जाना और किसानों का बाजार तक पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। वर्षों से उठ रही मांग, लेकिन नहीं मिला समाधान- स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार छत्तीसगढ़ शासन, जिला प्रशासन, स्थानीय विधायक, सांसद और संबंधित जनप्रतिनिधियों से बरगा नदी पर पुल तथा बिहारपुर-रसोकी मार्ग के पक्कीकरण की मांग की है।

जनदर्शन, ग्राम सभाओं और विभिन्न ज्ञापनों के माध्यम से भी समस्या उठाई गई, लेकिन आज तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया। परिणामस्वरूप हर मानसून में हजारों ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है। कीचड़ में तब्दील सड़कें, गांव बने टापू- लगातार बारिश से कच्चे मार्ग पूरी तरह कीचड़ में बदल गए हैं। कई स्थानों पर सड़कें बह गई हैं, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। कई गांव टापू जैसी स्थिति में पहुंच गए हैं। ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राशन की फिलहाल नहीं है समस्या- ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन द्वारा उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से चार माह का राशन पहले ही वितरित कर दिया गया था। इसलिए खाद्यान्न का तत्काल संकट नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, कृषि कार्य और आपातकालीन सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो रही हैं। कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा- उफनती नदी में जिस तरह लोग मोटरसाइकिल लेकर आवागमन कर रहे हैं, उसे देखकर ग्रामीणों में भी हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पुल-पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों की मांग- ग्रामीणों ने शासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि बरगा नदी पर शीघ्र पुल का निर्माण कराया जाए, बिहारपुर-रसोकी मार्ग का पक्कीकरण किया जाए तथा बारिश के दौरान वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि हर वर्ष लोगों को अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार न करनी पड़े।

संक्षिप्त समाचार

26 जुलाई को शहीद स्थल पर मनाया जाएगा कारगिल दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिला सैनिक कल्याण एंव पुनर्वास अधिकारी ले0 कर्नल संदीप सिंह (अ0प्रा0) ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जुलाई 2026 को कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। यह दिवस 1999 में ऑपरेशन विजय की सफलता और पाकिस्तानी धुसपैठियों को खदेड़कर कारगिल की बर्फीली चोटियों पर तिरंगा फहराने की ऐतिहासिक विजय की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में भारत के कई शहीद सैनिक/वीर जवानों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दे दिया और सैकड़ों जवान घायल हो गये। ऐसे वीर नारियों एवं कारगिल युद्ध के वीर सेनानियों, सैनिक अधिकारी, शहीद सैनिक, वीर जवानों को देश की रक्षा करते हुए उनके बलिदान के स्मरण में 26 जुलाई 2026 रविवार को पूर्वान्ह 09:00 बजे जिलाधिकारी कार्यालय में शहीद स्मारक वाटिका में सम्मानित करने हेतु माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा कारगिल विजय दिवस से सम्बन्धित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जनपद बदायूं के सभी सैनिक एवं उनके आश्रित अधिक से अधिक इस कार्यक्रम में अपना प्रतिभाग करने का आवहान किया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे रामा नंद कुशवाहा

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर समाजवादी छात्र सभा के तत्वाधान में नगर के चन्द्र कुआ स्थित चौराहा पर केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का कार्यकर्ता में पुतला

फूंक दिया और जमकर नारे बाजी की इस अवसर पर समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष रामानंद कुशवाहा ने कहा कि यह सरकार छात्रों का भविष्य चौपट करने पर तुली हुई सरकार की बिकेंसी लीक हो रही है छात्रों के साथ सरकार लाठी चलवा रही है इस समय भाजपा की सरकार में हर आदमी परेशान है विशेषकर आज छात्र नौजवान रोजगार के लिये परेशान है रोजगार के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है इस अवसर पर समाजवादी छात्र सभा के प्रदेशीय नेता मुलायम सिंह कुशवाहा कार्तिक पटेल कौशल किशोर प्रदीप कुमार मोहन सिंह माधव कुशवाहा धर्मेंद्र कुमार आशुतोष सहित कई छात्र सभा से जुड़े लोग मौजूद रहे प्रदर्शन के दौरान कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

गन्ना किसानों को मिलेगा पारदर्शी सिस्टम का लाभ, 30 अगस्त तक चलेगा विशेष अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / लखनऊ। प्रदेश के गन्ना किसानों के लिए राहत भरी खबर है। मुख्यमंत्री की किसान हितैषी और पारदर्शी नीति के तहत पेराई सत्र 2026-27 के लिए 20 जुलाई से 30 अगस्त तक प्रदेश के 45 गन्ना उत्पादक जिलों के 41,818 गांवों में ग्रामवार गन्ना सर्वेक्षण एवं सट्टा प्रदर्शन अभियान शुरू कर दिया गया है। इसके लिए 4,294 टीमों का गठन किया गया है। अभियान के दौरान किसान अपने गन्ना क्षेत्रफल, प्रजाति, बैंक खाता, मोबाइल नंबर और अन्य अभिलेखों का सत्यापन व संशोधन करा सकेंगे। साथ ही राजस्व अभिलेखों से भूमि का मिलान किया जाएगा और गन्ना सर्वे से जुड़े 63 महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी भी दी जाएगी। यदि किसी प्रकार की त्रुटि मिलती है तो उसकी शिकायत का निस्तारण मौके पर और ऑनलाइन किया जाएगा। किसान 30 सितंबर 2026 तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ गन्ना समिति की सदस्यता के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। गन्ना विकास विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अपने गांव में आयोजित सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन कार्यक्रम में अवश्य शामिल हों। किसी भी समस्या के समाधान के लिए किसान टोल-फ्री नंबर 1800-121-3203 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही इस अभियान में PMJJBY, PMSBY और APY जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी भी किसानों को दी जाएगी।

4 हजार की रिश्वत पड़ी भारी, लेखपाल को 5 साल की सजा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो /बरेली। प्रभावी पैरवी के चलते वर्ष 2020 के चर्चित रिश्वतखोरी मामले में अदालत ने लेखपाल रामचंद्र को दोषी करार देते हुए 5 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामला नवाबगंज तहसील का है,

जहां खेत की चकरोड चिन्हित करने के एवज में लेखपाल ने किसान से 4 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने वर्ष 2020 में आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद बरेली की विशेष अदालत ने आरोपी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा-7 के तहत दोषी मानते हुए सजा सुनाई। इस मुकदमे में बरेली पुलिस, अभियोजन पक्ष और ऑपरेशन कन्विक्शन टीम की प्रभावी पैरवी ने अहम भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी को न्यायालय से कड़ी सजा मिली।

मेरा युवा भारत की जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की पहल मेरा युवा भारत के अंतर्गत जनपद बदायूं की जिला सलाहकार समिति की बैठक मंगलवार को बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई, जिसमें समस्त सम्बंधित विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। मेरा युवा भारत एक फिजिटल मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें भौतिक गतिविधियों के साथ-साथ डिजिटल माध्यम से भी युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाती है। इसके माध्यम से युवा स्वयंसेवा, कौशल विकास, नेतृत्व निर्माण, अनुभवात्मक अधिगम, प्रशिक्षण एवं अन्य विकासात्मक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। यह मंच युवाओं को न केवल सीखने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि उन्हें समाज एवं समुदाय के साथ जुड़कर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

बैठक में सभी संबंधित विभागों एवं शैक्षणिक संस्थानों से माय भारत मेगा पंजीकरण अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के अधिक से अधिक युवाओं का पंजीकरण वेबसाइट ीजजचेरूध्ध्ठलईींतंजण्हवअण्पदध् पर कराने का आह्वान किया गया। साथ ही युवाओं को विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करने पर बल दिया गया। जिला स्तर पर अभियान को सफल बनाने हेतु सभी विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने तथा नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के अंत में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं सदस्यों ने माय भारत के उद्देश्यों को जनपद में प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने एवं अधिकाधिक युवाओं को इस राष्ट्रीय पहल से जोड़ने का संकल्प लिया।

डीएम व एसएसपी ने की कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में मंगलवार को कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आहूत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अवनीश राय ने कहा कि अधिकारी कावड़ यात्रा में लगी ड्यूटी को गंभीरतापूर्वक करें। एसडीएम, सीओ, अन्य सम्बंधित विभागीय अधिकारी अपने-अपने कार्य क्षेत्र का निरीक्षण करें तथा सभी कार्य 28 जुलाई तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। कावड़ियों को कोई परेशानी ना हो।

30 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो रही कावड़ यात्रा के संबंध में आहूत बैठक में डीएम ने कहा कि सभी एसडीएम व पुलिस क्षेत्राधिकारी अपने क्षेत्र के ग्राम प्रधान, अन्य जनप्रतिनिधियों आदि के साथ शांति समीति बैठक अवश्य करें। उन्होंने कहा कि डीजे की अधिकतम ऊंचाई 12 फिट व अधिकतम चौड़ाई 10 फिट ही रहें, यह सुनिश्चित किया जाए तथा डीजे पर बजने वाले गानों का अधिकतम वॉल्यूम 75 डेसीबल ही अनुमन्य होगा।

उन्होंने कहा कि सीसीटीवी से सम्बंधित समस्त कार्य 26 जुलाई तक पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान जो भी शिविर लगें वह सड़क से कम से कम 10 मीटर अंदर लगें तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि शिविर संचालक शिफ्टों में 24 घंटे के लिए अपने व्यक्तियों की तैनाती वहां करें। उन्होंने कहा कि सड़क के समीप खुले तालाब आदि पर बैरिकेडिंग कराई जाए तथा कांवड़ मार्ग पर पेड़ों की छटाई तथा साफ-सफाई विशेष ध्यान रखा जाए, निराश्रित पशुओं को समीपवर्ती गौसंरक्षण केन्द्र में संरक्षित किया जाए। उन्होंन सड़क पर टी प्वाइंट व मोड़ पर रंबल स्ट्रिप लगाई जाए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि विद्युत पोलों पर प्लास्टिक व रैपिंग ठीक प्रकार से कराई जाए तथा बरसात में विद्युत पोलों पर करंट न आए यह सुनिश्चित किया जाए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने कहा कि बैठक के दौरान गत बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति भी जानी गई। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्गों पर पड़ने वाले चौराहों को सजाया जाए। जनपद में कांवड़ मार्ग कुल 331 कि0मी0 है, जिसमें बरेली से बिनावर, बदायूँ, उझानी होते हुए कछला तक, उसावां से अलापुर, बदायूँ, उझानी होते हुए कछला तक, उसहैत से ककराला, बदायूँ, उझानी होते हुए कछला तक, आंवला से कुवरगांव, बदायूँ, उझानी होते हुए कछला तक, वजीरगंज से बिल्सी, मुजरिया होते हुए कछला तक, बिसौली से बिल्सी होते हुए मुजरिया होते हुए कछला तक, सहसवान से कछला एवं सहसवान से मुजरिया, कछला तक है।

बैठक के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी आदि मौजूद रहे।

बरसात में सड़क पर नहीं दिखना चाहिए एक भी निराश्रित गोवंश, गौ संरक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अधिक से अधिक गोवंश सुपुर्दगी के निर्देश, गोशालाओं में चारा, पानी व साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर जनपद में गौ संरक्षण एवं गौ संवर्धन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार से वर्चुअल बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा नोडल अधिकारी (जिला विकास अधिकारी) को निर्देशित करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में जनपद की किसी भी सड़क पर एक भी निराश्रित गोवंश दिखाई नहीं देना चाहिए।

यदि कहीं भी गोवंश सड़क पर घूमता मिला तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन गौशालाओं का मर्जर किया गया है,

वहां समस्त गोवंशों का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए तथा कोई भी गोवंश गौशाला से बाहर न निकलने पाए। सभी गौशालाओं में नियमित साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, हरे चारे, भूसे, चना, चोकर सहित अन्य आवश्यक पशु आहार की पर्याप्त उपलब्धता हर समय बनी रहे, जिससे गोवंशों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि 20 जुलाई से 3 अगस्त तक संचालित मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र कृषकों को गोवंश सुपुर्द किए जाएं, जिससे निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को और मजबूती मिल सके। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत अब तक सुपुर्द किए गए सभी गोवंशों का शत-प्रतिशत सत्यापन कराना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज अवस्थी, समस्त उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद बहराइच में लगभग 6 वर्षों की सराहनीय सेवा के बाद उपनिरीक्षक अहमद हुसैन को भावभीनी विदाई, ग्रामीणों व पत्रकारों ने फूल-मालाओं से किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच। जनपद बहराइच के कुछ थानों में अपनी सेवा दे चुके है लगभग छह वर्षों तक अपनी सेवाएं देने के बाद मटेरा थाना से उपनिरीक्षक अहमद हुसैन का गैर जनपद गोंडा होने पर सोमवार को मटेरा चौराहा पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों, सामाजिक लोगों एवं पत्रकारों ने उपनिरीक्षक अहमद हुसैन का फूल-मालाओं से स्वागत एवं सम्मान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आमजन की समस्याओं को सुनने तथा निष्पक्ष एवं संवेदनशील कार्यशैली से लोगों का विश्वास जीता। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने उनके साथ बिताए गए समय को याद करते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली और व्यवहार हमेशा याद रखा जाएगा। वहीं उपनिरीक्षक अहमद हुसैन ने सभी ग्रामीणों, पत्रकारों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मटेरा क्षेत्र से उन्हें हमेशा सहयोग और सम्मान मिला, जिसे वह जीवनभर नहीं भूलेंगे। समारोह का माहौल भावुक रहा। लोगों ने उन्हें पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मानपूर्वक विदा किया तथा जनपद गोंडा में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर आमिर अली, पत्रकार सिराज खान, प्रीतमंह,ॉ कुतुबुद्दीन,शादाब अहमद, नौशाद अली,अहमद , छोटू होटल वाले, असगर अधिवक्ता,हेड कांस्टेबल रजा अब्बास,संगी अहमद, जन्तु गौतम

हल्की बूंदाबांदी में गुल रही बिजली, आनंदपुर के लोग 4 घंटे अंधेरे में रहे

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ आनंदपुर 7 हल्की बूंदाबांदी के बीच मंगलवार तड़के आनंदपुर में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। रात करीब 3 बजे बिजली गुल हुई, जो सुबह लगभग 7 बजे बहाल हो सकी। करीब चार घंटे तक बिजली नहीं रहने से लोगों को रातभर परेशानी का सामना करना पड़ा।ग्रामीणों का कहना है कि आनंदपुर क्षेत्र में हल्की बारिश या बूंदाबांदी होते ही बिजली फॉल्ट की समस्या आम हो गई है। कई बार दो-दो से चार-चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। लोगों का आरोप है कि बारिश के दौरान लाइन में फॉल्ट होने पर समय पर सुधार कार्य नहीं होने से परेशानी और बढ़ जाती है।

ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग द्वारा आपात स्थिति में फॉल्ट सुधार के लिए कर्मचारियों की व्यवस्था होने के बावजूद रात के समय स्थानीय स्तर पर कर्मचारी उपलब्ध नहीं रहते। ऐसे में लाइन में खराबी आने पर सुधार कार्य शुरू होने में काफी देर हो जाती है, जिससे पूरी बस्ती अंधेरे में डूबी रहती है।

बिजली उपभोक्ताओं का कहना है कि बरसात के मौसम में फॉल्ट की आशंका को देखते हुए विभाग को स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों की नियमित तैनाती और त्वरित फॉल्ट सुधार व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

नियम क्या कहते हैं?-विद्युत आपूर्ति बनाए रखना वितरण कंपनी की जिम्मेदारी है। बिजली गुल होने या लाइन फॉल्ट की स्थिति में वितरण कंपनी को यथाशीघ्र फॉल्ट का पता लगाकर आपूर्ति बहाल करने के लिए आवश्यक स्टाफ एवं संसाधन उपलब्ध रखने होते हैं। बरसात के मौसम में आपातकालीन रखरखाव और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को और अधिक सक्रिय रखने की अपेक्षा की जाती है।

जनसुनवाई: दिव्यांग को मिलेगी ट्राईसायकिल, बुजुर्ग की रूकी पेंशन फिर से शुरू होगी, एक आवेदन में बीपीएल सूची में जोड़ने की प्रक्रिया शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की आम नागरिकों की समस्याओं को निराकरण के प्रति संवेदनशीलता के चलते आज जनसुनवाई में इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल की मांग लेकर पहुंचे दिव्यांग आवेदक श्री मुकेश खटीक को शीघ्र ही इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल मिलेगी। इसके साथ ही बुजुर्ग आवेदिका भंमरी बाई की पेंशन विभिन्न तकनीकी समस्याओं के चलते रुक गई थी तकनीकी समस्याओं को दूर कर भंवरी बाई की पेंशन भी शीघ्र शुरू हो रही है। इसके साथ ही गंजबासोदा से जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में पहुंची जमनीबाई अहिरवार का नाम भी गरीबी रेखा की सूची में पात्रता के अनुसार जोड़ने की प्रक्रीया शुरू कर दी गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जनसुनवाई करते हुए इन आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही सभी की समस्याओं के निराकरण के लिए विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने छात्रावास में प्रवेश दिलाने के एक आवेदन में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए जिसके चलते बासौदा विकासखंड के ग्राम सूजा मालूदक निवासी अनामिका वंशकार को छात्रावास में प्रवेश दिलाया जा रहा है जिससे अब बच्ची की शिक्षा का रास्ता आसान हो गया है। जनसुनवाई के दौरान ग्राम सोमवारा के दिव्यांग आवेदक श्री मुकेश खटीक ने हाथ पैरों की अस्वस्थता और विकलांगता के चलते इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल दिलाने हेतु आवेदन दिया था। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने मौके पर ही सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों को पात्रता अनुरूप इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल प्रदान करने के निर्देश दिए। विदिशा शहरी क्षेत्र की आज्ञाराम कॉलोनी की वयोवृद्ध आवेदिका भंमरीबाई ने पिछले 6-7 माह से वृद्धावस्था पेंशन की राशि प्राप्त नहीं होने पर अपनी समस्या कलेक्टर के समक्ष रखते हुए पेंशन पुन: शुरू करने की बात कही थी। कलेक्टर ने इस आवेदन में भी तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए और जो भी रुकावटें पेंशन प्राप्ति में हो रही हैं उन्हें पूरा कर वयोवृद्ध आवेदिका भंमरी बाई को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। गंजबासौदा तहसील निवासी जमनी बाई अहिरवार ने गरीबी रेखा सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया अपनी आर्थिक परेशानियों से अवगत कराते करते हुए उन्होंने गरीबी रेखा सर्वे सूची में नाम जोड़ने की बात कही। कलेक्टर ने मौके पर ही इस मामले में संबंधित विभाग को पात्रता अनुसार आवेदिका को लाभान्वित करते हुए गरीबी रेखा की सूची में नाम जोड़ने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में आज संपन्न हुई जनसुनवाई के दौरान लटेरी तहसील के ग्राम मसूड़ी के आवेदक श्री बालचंद ने भूमि सीमांकन करने, ग्राम सोमवारा निवासी फुल्ला ने भूमि की मुआवजा राशि दिलाने, विदिशा के रामलीला चौराहा निवासी जगन्नाथ लोधी ने भूमि का पट्टा दिलाने और इसके अलावा गंजबासौदा निवासी महक मिश्रा ने अपने स्वर्गीय पिता के नाम बैंक ऋण की बकाया राशि के संबंध में राहत प्रदान करने समस्या से अवगत करते हुए राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। राजबाला अहिरवार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की रुकी ही राशि दिलाने हेतु आवेदन दिया। सिरोंज तहसील के ग्राम निवासी शरदाबाई ने अपनी समस्या अवगत कराते हुए उनकी जमीन पर पड़ोसी द्वारा अवैध कब्जा करने की शिकायत की। इन सभी मामलों में संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आवेदकों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। राजस्व, सामाजिक न्याय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, कृषि तथा अन्य विभागों से संबंधित प्रकरणों पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में 179 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से मौके पर 103 आवेदनों का निराकरण हुआ।

इस दौरान अपर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, संयुक्त कलेक्टर,डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे।

अनुसूचित जाति वर्ग की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें: डॉ. कैलाश जाटव

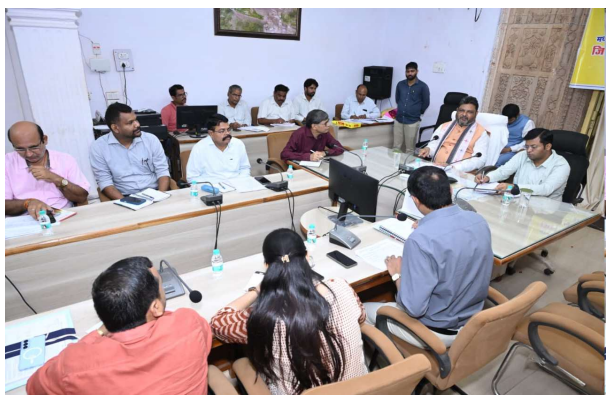

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने शिवपुरी जिले के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेकर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

समीक्षा बैठक में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत राहत राशि वितरण, सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना, एससी बस्ती विकास तथा महर्षि वाल्मीकि प्रोत्साहन योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के प्रभावी संचालन के लिए महाविद्यालयों के निरीक्षण हेतु टीम गठित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में कृषि, पशुपालन, विद्युत, शिक्षा, मत्स्य पालन तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन किया गया।

छात्रावासों में बेहतर व्यवस्थाओं पर जोर- डॉ. जाटव ने निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने छात्रावासों में राज्यपाल, प्रधानमंत्री एवं महापुरुषों के चित्र लगाने की बात कही, ताकि विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा मिल सके। कन्या छात्रावासों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए।

अनुपस्थित अधीक्षकों पर होगी कार्रवाई प्रवास के दौरान शासकीय अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास ठकुरपुरा एवं करौंदी के औचक निरीक्षण में छात्रावास अधीक्षक अनुपस्थित पाए गए। इस पर आयोग अध्यक्ष ने गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधीक्षकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

दो साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार, अमोला पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में लंबित वारंटों की तामील के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अमोला पुलिस ने दो वर्षों से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना अमोला पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार प्रकरण क्रमांक 870/24 में फरार स्थायी वारंटी नरेन्द्र लोधी (37) पुत्र रामप्रकाश लोधी, निवासी सिरसौद, थाना अमोला, पिछले दो वर्षों से फरार चल रहा था। थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह सेंगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे माननीय न्यायालय करैरा में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि जिले में स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के साथ-साथ अवैध स्मैक, गांजा एवं शराब के विरुद्ध भी विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह सेंगर, प्रधान आरक्षक शेर सिंह गौर, अर्जुन रावत, आरक्षक अतर सिंह, नीतेन्द्र सिंह, मनोज कुमार, आकाश शाक्य तथा सैनिक जितेन्द्र कलावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

22 जुलाई बुधवार को निशुल्क नेत्र शिविर का आयो जन बड़ा मील कोंच में,साथ ही आयुर्वेदिक केम्प आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। दिनांक 22 जुलाई दिन बुधवार को एस एन गुप्ता पब्लिक स्कूल क्रय विक्रय समिति के सामने बड़ा मील कोंच में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है यह जानकारी इस निशुल्क नेत्र परीक्षण के आयोजक सुरेश गुप्ता बाबू जी और राहुल गुप्ता ठेकेदार ने संयुक्त रूप से दी है उन्होंने बताया है कि इस शिविर में सदगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट की डाक्टरों की टीम आ रही है यह नेत्र परीक्षण शिविर सुबह दस बजे से एक बजे तक चलेगा इस नेत्र परीक्षण शिविर ने जांच के उपरांत जिन मरीजों को मोतियाबिंद है उनको डाक्टरों की टीम अपने वाहन से आप्रेशन हेतु चित्रकूट निशुल्क ले जावेगी और आपरेशन के बाद उन्हें अपने ही वाहन से उन्हें उनके घर तक छोड़ने आएगी इस बार आयुर्वेदिक केम्प का आयोजन होगा जिसने डाक्टरों द्वारा निशुल्क परामर्श के साथ दवा आदि दी जावेगी उन्होंने लोगो से इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की ।सभी कैंप में आने वाले लोग अपना आधार कार्ड और मोबाइल नम्बर जरूर लाये।

अपना दल एस के युवा मंच के प्रदेशीय महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर के जन्मदिवस स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन)। आज कोंच में अपना दल एस युवा मंच के प्रदेशीय महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर का जन्मदिवस है इसी को लेकर कोंच में भी पार्टी से जुड़े लोगों ने ओंकार सिंह ठाकुर अपना दल के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी प्रांतीय सदस्य रोहित राठौर का स्वागत सम्मान किया और जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास और जोश के साथ मनाया। जैसे ही ओंकार सिंह ठाकुर का काफिला नगर में प्रवेश किया कार्यकर्ताओं और उनके खास शुभ चिंतकों में उनका जोरदार स्वागत सम्मान किया और केक काटकर खिलाई वही सभासद और अपना दल एस के नगर अध्यक्ष माधव यादव ने अपनी टीम के साथ जोर जोर दार स्वागत सम्मान किया और उन्हें केके काटकर खिलाई प्रॉपर्टी डीलर आबिद मंसूरी के प्रतिष्ठान पर भी जोर दार स्वागत सम्मान किया और केक खिलाई चंद्र कुआं चौराहा पर अपना दल एस के जिला सचिव अशीष बजाज ने भी अपने आवास पर केक काटकर खिलाई नगर में तमाम जगहों पर उनका जोरदार स्वागत सम्मान किया गया एक दर्जन से अधिक चार पहिया वाहन उनके काफिले में रहे और महेशपुरा रोड स्थित मेवालाल जूनियर हाईस्कूल में उनका स्वागत सत्कार कार्यक्रम आयोजित किया यहां सभासद आवेश जाटव ने उन्हें जन्मदिन पर स्वागत सम्मान कर उन्हें केक खिलाई इस अवसर पर अपना दल एस के जिला मीडिया प्रभारी जितेंद्र कुशवाहा जिला सचिव प्रदीप कुशवाहा चमेंड शिवम अग्रवाल राजवीर सिंह कूड़ा अनवर अली सुघर सिंह मास्टर राम कुमार पटेल कोमल सिंह परिहार सहित कई लोग मौजूद थे

कलेक्टर के निर्देश पर जिलेभर में विद्यालय, आंगनबाड़ी और राशन दुकानों का औचक निरीक्षण

कई स्थानों पर मिलीं खामियां, अनुपस्थित कर्मचारी पर कार्रवाई के निर्देश, आर्थिक तंगी से पढ़ाई छोड़ने वाले छात्र का कराया प्रवेश

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर मंगलवार को जिलेभर में राजस्व अधिकारियों ने शासकीय विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, उचित मूल्य की राशन दुकानों, स्वास्थ्य केंद्रों और खाद्य गोदामों का सघन औचक निरीक्षण किया। अभियान का उद्देश्य शासकीय सेवाओं के सुचारू संचालन, शिक्षा की गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन, पोषण आहार तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता सुनिश्चित करना था।

कोलारस एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने ग्राम कूड़ा स्थित प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। यहां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हर्षा शर्मा अनुपस्थित मिलीं तथा केंद्र में एक भी बच्चा मौजूद नहीं था। इस पर संबंधित कार्यकर्ता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

करैरा तहसीलदार ललित शर्मा ने ग्राम टीला के शासकीय एकीकृत विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें गांव का छात्र कान्हा केवट मिला, जिसने आर्थिक तंगी के कारण आगे की पढ़ाई छोड़ दी थी। तहसीलदार ने छात्र का पुन: विद्यालय में प्रवेश कराकर उसे शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

शिवपुरी में तहसीलदार सिद्धार्थ शर्मा, शिप्रा उपाध्याय एवं कल्पना शर्मा ने व्हीटीपी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विवेकानंद कॉलोनी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र तथा सतनवाड़ा कलां के शासकीय विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं करैरा एसडीएम अनुपम शर्मा और पिछोर एसडीएम ममता शाक्य ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण किया।

पोहरी एसडीएम जेपी गुप्ता, बैराड़ तहसीलदार द्रगपाल सिंह बैश तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अजय परसेडिया ने पोहरी अनुभाग में एक दर्जन से अधिक विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पीडीएस दुकानों, खाद्य गोदामों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर गंभीर खामियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर का आकलन किया, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति एवं पोषण आहार वितरण की स्थिति जांची तथा राशन दुकानों में खाद्यान्न की उपलब्धता और भंडारण का भौतिक सत्यापन किया। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने सभी संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

Adopt these 8 healthy habits to overcome morning lethargy

If you're always tired after a full night's sleep, this article will be especially helpful. Here, we'll share some tips to help you feel refreshed. If you wake up feeling tired, lethargic, and weak despite getting 7-8 hours of sleep normal. Morning fatigue can be sleep quality, stress, nutritional irregular lifestyle. If this problem your energy, performance, and changing a few simple habits, you can the morning. In this article, learn fatigue, easy and effective ways to can help keep you active and let's understand why you feel tired in during the night. Poor sleep quality iron, vitamin B12, or vitamin D in the Using mobile phones or laptops late lack of water in the body. Irregular sleep apnea, thyroid, or other health morning fatigue: 1. Go to sleep and Establishing a consistent bedtime and body clock. This improves sleep lethargy or fatigue upon waking. schedule, even on holidays. 2. Drink Sleeping overnight can dehydrate the as soon as you wake up hydrates the ensures a refreshed start to the day.

every day, it's best not to ignore it as caused by many factors, such as poor deficiencies, dehydration, or an persists for a long time, it can impact mental health. Fortunately, by feel more refreshed and energetic in about the main causes of morning overcome it, and healthy habits that refreshed throughout the day. First, the morning. Frequent awakenings despite adequate sleep. Deficiency of body. Stress, anxiety, or mental stress. into the night. Dehydration, meaning sleep and wake times. In some cases, problems. Simple ways to overcome wake up at the same time every day. waking time helps balance the body's quality and reduces the feeling of Don't drastically change your sleep water as soon as you wake up. body. Drinking 1-2 glasses of water body, activates metabolism, and If desired, you can also drink lukewarm water. 3. Get some sunshine - Sitting or walking in mild sunlight for 15–20 minutes in the morning provides the body with natural vitamin D. It also helps improve the body's circadian rhythm, leading to a good night's sleep and a feeling of energy in the morning. 4. Do light exercise - Start your morning with a light walk, yoga, stretching, or breathing exercises. This improves blood circulation, reduces muscle stiffness, and keeps the body active throughout the day. 5. Eat a nutritious breakfast - Never skip breakfast. Include protein, fiber, and healthy fats like eggs, oats, yogurt, fruit, or dried fruit in your breakfast. This provides adequate energy and prevents feeling weak or lethargic throughout the day. 6. Reduce screen time at night - Stop using mobile phones, laptops, and televisions at least an hour before bedtime. The blue light emitted by these devices affects the melatonin hormone, which can cause difficulty falling asleep and lead to fatigue in the morning. 7. Limit caffeine intake - If you consume too much tea, coffee, or energy drinks in the evening or at night, it can affect the quality of your sleep. It is better to reduce caffeine intake after evening so that you can get deep and restful sleep at night. 8. Consult a doctor if you continue to feel tired - If morning fatigue persists for several weeks even after getting enough sleep and improving your lifestyle, do not ignore it. This could be a sign of health problems like iron, vitamin B12, vitamin D deficiency, thyroid, or sleep apnea. In such a situation, you should consult a doctor and get necessary tests done.

Not just weak bones, calcium deficiency can also cause significant changes in the body.

When certain changes occur in our bodies, we often ignore them in the initial days. However, it's important to understand them. Therefore, we'll explain the symptoms of calcium deficiency so you can avoid them. Calcium is one of the strengthening bones and teeth but also in the deficiency develops gradually, and in the weakness. However, prolonged calcium symptoms in a timely manner and making early symptoms of calcium deficiency, its symptoms of calcium deficiency: 1. Muscle functioning of the body's muscles. A problem is particularly felt in the muscles of calcium deficiency. 2. Tingling in the hands This can cause tingling, prickling, or this as normal fatigue, but repeated and pain - Calcium is essential for maintaining calcium from the bones, leading to a decrease problems like osteoporosis and increase the Calcium is also essential for maintaining problem of pain, sensitivity or cavities in them. teeth. 5. Constant fatigue and weakness- deficiency, a person may feel constant fatigue, weakness and lack of energy. If weakness persists even after taking adequate rest, then it may be useful to get the body checked for nutritional deficiency. 6. Weakening of nails- The effect of calcium deficiency can also be seen on the skin, hair and nails. Nails may become thin, weak and break easily. Although calcium deficiency cannot be confirmed by the condition of nails alone, it can be a sign along with other symptoms. Main causes of calcium deficiency- Lack of calcium-rich foods in the diet Vitamin D deficiency, due to which the body is unable to absorb calcium properly - Low absorption of calcium with age Hormonal changes Long-term consumption of certain medicines - Low consumption of milk and dairy products Ways to avoid calcium deficiency- Consume dairy products like milk, curd, cheese Include green leafy vegetables like spinach and fenugreek in the diet Eat calcium-rich foods like sesame, almonds and ragi Get adequate sunlight to maintain better Vitamin D levels in the body Adopt a balanced diet and regular exercise

most essential minerals in our body, playing a vital role not only in proper functioning of muscles, nerves, and the heart. Calcium early stages, its symptoms are often overlooked as simple fatigue or deficiency can lead to numerous health problems. Recognizing the necessary dietary changes is crucial. In this article, learn about the causes, effects on the body, and easy ways to prevent it. Early cramps and pain - Calcium plays a vital role in the proper deficiency can cause sudden muscle strain, pain, and cramps. This the legs, arms, and waist. Leg cramps at night can also be a sign of and feet - Low calcium levels in the body can affect nerve function. numbness in the hands, feet, lips, and fingers. People often ignore occurrences can be a sign of calcium deficiency. 3. Bone weakness bone strength. When calcium is deficient, the body begins to leach in bone density. Long-term deficiency can increase the risk of risk of fractures even with minor injuries. 4. Dental problems - strong teeth. Its deficiency can weaken the teeth and increase the Calcium deficiency in children can also affect the development of Calcium helps in many important processes of the body. In its

Why does fatigue persist even after a full night's sleep? Find out why.

You may have often noticed how, even after 7-8 hours of sleep, you feel tired in humid weather. Let's find out the reason behind this. During summer and humid weather, many people complain that even after getting enough in the morning. People often attribute this factors may be responsible. In fact, as body temperature, which can impact sweating, restlessness, and frequent sleep resting. If this problem persists, it should even after adequate sleep in humid it. Dehydration - In humid weather, the sweat. If the body doesn't get adequate headaches, and fatigue upon waking. 2. for a long time, but also to have a good sweating, and discomfort, which can lead body from getting proper rest. 3. humidity in the air, sweat doesn't dry system, and one may feel lethargic and suffocation - Sleeping in a closed room or can cause sleep disturbances and a feeling

sleep, they feel heavy and tired upon waking up to overwork or lack of sleep, but many other humidity increases, it becomes difficult to regulate energy levels. Furthermore, excessive heat, interruptions at night prevent the body from fully not be ignored. Let's find out why fatigue occurs weather and what are some easy ways to prevent body loses more water and electrolytes through hydration even at night, it can lead to weakness, Poor sleep quality - It's not only important to sleep and deep sleep. Humidity increases heat, to frequent sleep interruptions and prevent the Increased body temperature - Due to high easily. This affects the body's natural cooling tired upon waking. 4. Feeling of oxygen and poorly ventilated area can reduce air flow. This of heaviness in the morning. 5. Electrolyte imbalance - Sodium, potassium, and other minerals can be lost from the body through sweat. Deficiency can lead to muscle weakness, fatigue, and a lack of energy. 6. Bad eating habits: Eating too much fried, spicy, or heavy food at night can slow down the digestive process. This affects sleep, and the body doesn't feel refreshed in the morning. Tips to reduce fatigue in humid weather: Drink plenty of water throughout the day; consume natural beverages like coconut water and lemon water; keep the room cool and ventilated before bed; eat light and balanced meals; set regular bedtimes and wake-up times; avoid excessive caffeine and heavy meals late at night; do light exercise or walk in the morning

"If you don't want to get married, run away..." Hina Khan expresses her opinion on the Ketan-Siya case; husband Rocky speaks out on fake feminism

The Pune Ketan Agarwal murder case remains in the news. Fiancée Siya Goyal has been accused of Ketan's murder. TV actresses Hina Khan, Rubina Dilaik, Rocky Jaiswal, and Abhinav Shukla have spoken about the Agarwal murder case has now TV actors as well. Hina Khan the issue on their talk show, joining in. Find out what these case. Hina Khan and Rubina Khan posted a video from her says, "If you don't want to get statement regarding the Siya-case was, "How could you even this?" What did Rocky Jaiswal husband, Rocky Jaiswal, said, this case. This is fake feminism. Abhinav also said, "Sia They share further details and What is the concept of Rubina Dilaik and Hina Khan started controversies related to TV and Hina Khan's husbands also four of them first discussed currently surrounded by reality show 'Lockup 2.' Hina case in a talk show. The Ketan become a topic of discussion among and Rubina Dilaik recently discussed "POV," with their husbands also actors think about the Ketan-Siya express shock over the case - Hina talk show on Instagram. In it, she married, run away." This is her Ketan case. Rubina's comment on the think about killing someone like and Abhinav say? Hina Khan's "Many people are supporting Sia in Where did feminism come into this?" thought she had a foolproof plan." news about this case on their show. and Hina's show? - Recently, Rubina a new talk show on some celebrities. It's called 'POV.' Rubina participate in it. On this show, the Akanksha Chamola, who is controversy and is a part of the Khan appeared in the serials "Yeh Rishta Kya Kehlata Hai" and "Kasauti Zindagi Ki 2." Rubina Dilaik appeared in the serials "Chhoti Bahu" and "Shakti Astitva Ke Ehsaas Ki." Both actresses have also appeared in several reality shows.

Akshara Singh visited the shrine of Baba Vishwanath; after the darshan, she said, "Some feelings can only be expressed through the heart."

Bhojpuri actress Akshara Singh visited Baba Vishwanath in Varanasi. She shared some of her photos on social media. Bhojpuri cinema's queen Akshara Singh's popularity has now reached Bollywood. She was Akshay Kumar in the film will also be seen in Shraddha the actress visited the Kashi feeling cannot be described in Singh shared a post on her Thursday. The photos show Temple premises. Along with "Some feelings cannot be through the heart. The mind Words cannot describe your Mahadev." Explore the ghats Varanasi without visiting the a boat ride and saw the Varanasi. She shared some she is posing while sitting on a stunning in a blue saree. 'Welcome to the Jungle' - Bollywood debut with the the Jungle'. She danced with Bhojpuri dance number 'Ghis be seen in 'Eetha' - Akshara recently seen in a song with "Welcome to the Jungle." She Kapoor's "Eetha." Meanwhile, Vishwanath Temple. "The words," she wrote. Akshara Instagram account on her in the Kashi Vishwanath the photos, Akshara wrote, expressed in words, but only is calm, the heart is grateful. grace every day. Har Har on a boat - How can one visit ghats? Akshara Singh also took picturesque view of the ghats of photos from the ghats, in which boat. Akshara Singh looks Danced with Akshay Kumar in Akshara Singh made her multi-starrer film 'Welcome to Akshay Kumar in the explosive Ghis Ghis' in this film. She will Singh's next Bollywood film is 'Eetha', starring Shraddha Kapoor in the lead role. This film is a major period biopic based on the life of Maharashtra's famous Lavani and Tamasha artist Vithabai Narayangaonkar. Shraddha Kapoor herself is playing the lead role in it.

"OMG 2 was my idea," Paresh Rawal makes a bold claim; says he wasn't even given credit; says this about Akshay Kumar

Paresh Rawal has described "OMG 2" as his original idea and concept. Find out what he revealed about the film and its true story... Actor Paresh Rawal has made a bold claim about Akshay Kumar and Pankaj Tripathi's film "OMG 2." The actor claimed that the story of "OMG 2" originally began as an idea he developed with director Amit Rai. Later, he wasn't given credit for the story or concept. The actor also said that significant changes were made to the story after Akshay Kumar joined the project, which led him to leave the film. The original story was based on a father-son relationship. In a YouTube conversation with Vicky Lalwani, Paresh Rawal made several revelations about "OMG 2." He explained that his original story was a drama based on a father-son relationship, covering issues like sex education, public humiliation, and a parent's fight for justice. It didn't feature God or any divine character, and it was never conceived as a direct sequel to "OMG." The saddest part is that I wasn't even given credit for the story or concept. My name wasn't mentioned anywhere. People in the industry knew the idea was mine. Paresh Rawal also claimed that many people in the industry knew where the story came from. He said, "Amit, Akshay, Ashwin, Ajay Devgan, Karan Johar, and Salman Khan all knew it was my idea and my story. Perhaps Ajay and Salman might have refused because of the subject matter. They might have thought it could be controversial. I tried to explain the concept to them. I approached director Amit Rai, whose film "Road to Sangam" I really liked. I told him my initial idea." The story revolves around a school student whose private act is recorded and circulated, leading to his isolation from society. In the story, his father tries to defend him and challenge the shame imposed on him. Akshay Kumar also revealed that Akshay Kumar later offered him a role in the film, but he declined because he didn't like the story he had helped develop. "I spoke to Akshay Kumar. He asked me to do the film. I told him, 'No. This isn't the film I envisioned. God has no role in this story.' He tried to dissuade me, but I was deeply attached to the script from the beginning. I knew exactly how it should be. That's why I backed out." Ultimately, Pankaj Tripathi played the father, while Akshay Kumar appeared as Shiva's messenger. The film was released in theaters in 2023. The film received positive reviews from critics and audiences and was a box office success.